Date. 30/07/2020 (14)
Mob No - 9934183027
Dr Tapati Mukerjee.
H.O.D in Music Dept.
Associate Prof.
R. M. College Saran.

Study Material For B.A Part III (H)
Paper 5th
Topic Gharana
(Continued Previous Notes)

बेतिया घराना

(1) यह घराना बिहार से सम्बन्धित है, ध्रुवपद गायन और ध्रुवपद की तालीम के लिए प्रसिद्ध है। 1638 ई० में बेतिया का जो राजा महाराज आनन्द किशोर थे वह ध्रुपद के गायक, संरक्षक और [struck] रचना कार भी थे। इस घराना में बहुत सारे ध्रुवपद का संग्रह है संगीत विद्वानों के मतानुसार बेतिया ध्रुपद को सबसे प्राचीन है। बिहार के बेतिया, [struck] डुमराव, दरभंगा आदि रियासत ध्रुपद के लिए प्रसिद्ध था। बेतिया के कलाकारों ने दरभंगा जाकर बसे।

(2) कहा जाता है कि बेतिया के परम्परा से कुरुक्षेत्र के निकट अमलोक गाँव के दो संगीतकार चमारी मलिक और कमाली मालिक थे, बेतिया के नरेश स्वंय ध्रुपद के अच्छे जानकार और शौकिन भी थे। इन दोनों कलाकारों को अपने राज दरबार में लाये और यहीं से "बेतिया घराना" का उद्‌भव हुई।

(3) कहा जाता है कि बेतिया घराना में ध्रुपद की चारों वाणियाँ, खण्डार, डागुर, नौहर और गोवरहारी वाणी में खण्डार और गोवरहारी वाणी का उत्तम कलाकार थे।

(5) चारों वाणीयों मे प्रचलित प्रायः सभी तालो, चारताल, आड़ा-चौताल, शिखर ताल ब्रम्हताल, रुद्रताल आदि तालो मे निबद्ध बंदिशें केवल बेतिया घराना मे ही प्राप्त होती है, इस घराना मे ध्रुपद के साथ-साथ खाब, सुरसिंगार तथा बीन जैसे वाद्यो-यत्र का सिद्ध कलाकार थे,

=

समाप्त